>

Title: Need to set up an AIIMS like institute at Gorakhpur in Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): गोरखपुर उ.प्र. का एक प्रमुख महानगर है। पूर्वी उ.प्र. पश्चिमोत्तर बिहार तथा नेपाल की तराई की एक बड़ी आबादी को लेकर लगभग 6 करोड़ की आबादी अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार एवं रोजगार के लिए गोरखपुर पर निर्भर करती है। पूर्वी उ.प्र. में इतनी बड़ी आबादी की स्वास्थ्य सुविधा के लिए एकमात्र चिकित्सा संस्थान बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में है। राज्य सरकार के अल्प संसाधनों एवं उपेक्षा के कारण भी पूर्वी उ.प्र. में स्वास्थ्य सुविधा की आवश्यकता को पूरी करने में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज पूरी तरह सफल नहीं है। नेपाल की तराई का यह क्षेत्र अनेक वैक्टर जनित बीमारियों इन्सेफलाइटिस, मलेरिया, फाइलेरिया, काला ज्वर, डेंगू आदि से प्रतिवर्ष पूरी तरह प्रभावित होता है और प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती है। अकेले इन्सेफलाइटिस से पिछले 33 वर्षों में पूर्वी उ.प्र. में एक लाख से अधिक बच्चों की मौतें हुई हैं जिसमें बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में ही 35 हजार से अधिक मौतें हुई है और लगभग इतने ही बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप विकलांगता के शिकार हुए हैं। इन्सेफलाइटिस जैसी तमाम वैक्टर जनित बीमारियों से यह क्षेत्र लगातार पीड़ित है। स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में लगातार हो रही मौतें शासन-प्रशासन की भयंकर लापरवाही को ही प्रदर्शित करती है। पूर्वी उ.प्र. की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर संसद में बार-बार सरकार का ध्यान आकर्षित करने के पश्चात् 29 दिसम्बर, 2011 को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की तर्ज पर एक केन्द्रीय चिकित्सा संस्थान स्थापित करने की घोषणा की थी लेकिन एक वर्ष से अधिक समय व्यतीत हो चुका है अभी तक इस संबंध में कोई प्रगति नहीं हुई।

कृपया व्यापक जनहित में गोरखपुर के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्वीकृत किया जाए तथा प्राथमिकता के आधार पर निर्माण का कार्य भी प्रारंभ करने का कष्ट करें।